दैनिक भास्कर इंदौर, रविवार 16 जुलाई, 2023

554 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री

500 करोड़ से बनेगी नई लैब, एमटेक प्रोग्राम शुरू होगा

इंदौर| आईआईटी इंदौर जल्द ही शहर की एक ऑटोमोबाइल कंपनी के कर्मचारियों के लिए एमटेक प्रोग्राम, नए सत्र से एकेडमिक क्रेडिट बैंक और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत होगी। यह घोषणा शनिवार को आईआईटी इंदौर के 11वें दीक्षांत समारोह में निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने की। उन्होंने यहां 500 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर की भी जानकारी दी। समारोह में कुल 554 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। 11 छात्रों को मेडल दिए गए।

मेडल पाने में बेटियां आगे, 11 में से 6 उन्हें मिले

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर के के दीक्षांत समारोह में मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में लड़कियों लड़कों से आगे रही। जिन 11 विद्यार्थियों को मैडल मिले, 6 मेडल लड़कियों को दिए गए। हालांकि कुल डिग्रियां पाने वाले 554 छात्रों में से लड़कियों की संख्या सिर्फ 114 रही। इनमें से बीटेक के 297, एमएससी के 101, एमटेक के 62, एमएस रिसर्च के 12 और पीएचडी के 82 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। पीएचडी पाने वालों में आगरा के एक किसान के बेटे देवराज सिंह भी शामिल हैं। माता-पिता और भाई-बहन के साथ शामिल हुए देवराज अक्टूबर में अमेरिका के ओहायो में अपने पोस्ट डॉक्टोरल के लिए जाएंगे।

इन बेटा-बेटियों की सक्सेस से माता-पिता के चेहरे पर 'सोने-चांदी सी चमक'

पीएचडी में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली **जसप्रीत कौर** ने पिछले 5 साल में कैंसर, एचआईवी और टीबी के लिए ऐसी दवाई बनाने का प्रयास किया है जिसे दिनभर में एक बार ही देने की जरूरत पड़े। एक कैंसर पीड़ित बच्ची की पीड़ा बनी दवाई बनाने की प्रेरणा बनी।

एमएससी में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली जमशेदपुर की **श्रीजिता पाल** ने भी कैंसर की दवाई पर काम किया है। उन्होंने रुथेनियम कॉम्प्लेक्स से ऐसी दवा बनाई है जिसके कम से कम साइड इफेक्ट हों। ये दावा सिर्फ कैंसर सेल को टारगेट करेगी।

बीटेक में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र **पूर्णदीप चक्रबर्ती** ने बताया कि उन्होंने अपने वीडियो गेम्स और प्रोग्रामिंग के पैशन को अपने प्रोफेशन में तब्दील किया है। उन्होंने कहा कि अभी तो मैंने बेंगलुरू में ओरेकल में जॉब ज्वाइन किया है।

इन्हें भी मिले मेडल

सिविल इंजीनियरिंग की नियति तोतला को सभी छात्रों में सर्वश्रेष्ठ आल राउंड परफॉरमेंस के लिए सिल्वर मेडल दिया गया। इनके साथ ही कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग ब्रांच से कृशानु सैनी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के आर्यन रस्तोगी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की इशिका बुद्धिराजा, सिविल इंजीनियरिंग के सत्यम वत्स, मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एवं मेटेरियल्स साइंस की रमा एदलाबादकर को इंस्टिट्यूट सिल्वर मेडल प्रदान किए गए।

एमटेक कोर्स में समृद्धि सक्सेना और एमएससी प्रोग्राम के सईद काजिम हुसैन नासिर को भी इंस्टिट्यूट सिल्वर मेडल दिए गए। कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के प्रशील कुमार तिवारी और ज्योतिष्णा बैश्य को सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट का पुरस्कार दिया गया।